Mata Sundri College for Women
(University of Delhi)
Mata Sundri Lane, New Delhi-110002

Ph: 23237291

Ref No. MSC/IQAC/SSR-CR3/3.1.1 & 3.1.3

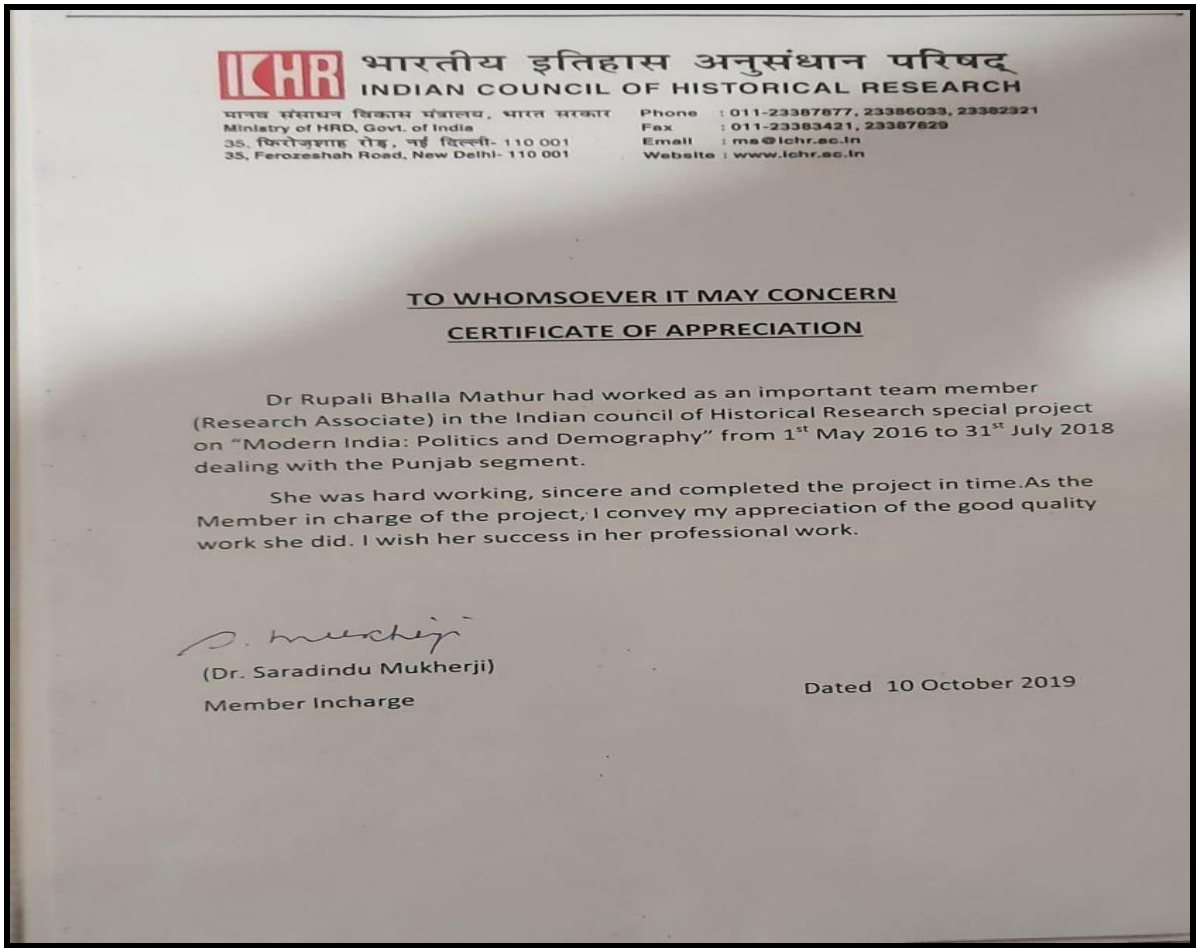

ICHR भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्
INDIAN COUNCIL OF HISTORICAL RESEARCH

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of HRD, Govt. of India
35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली- 110 001
35, Ferozeshah Road, New Delhi- 110 001

Phone : 011-23387877, 23386033, 23382321
Fax : 011-23383421, 23387829
Email : ms@ichr.ac.in
Website : www.ichr.ac.in

TO WHOMSOEVER IT MAY CONCERN

CERTIFICATE OF APPRECIATION

Dr Rupali Bhalla Mathur had worked as an important team member (Research Associate) in the Indian council of Historical Research special project on "Modern India: Politics and Demography" from 1st May 2016 to 31st July 2018 dealing with the Punjab segment.

She was hard working, sincere and completed the project in time.As the Member in charge of the project, I convey my appreciation of the good quality work she did. I wish her success in her professional work.

(Dr. Saradindu Mukherji)
Member Incharge

Dated 10 October 2019

Image 1: Name of the Principal Investigator/Co-investigator- Dr. Rupali Bhalla Mathur **and Name of the Project/Endowments, Chairs- Modern India:** Politics and demography 1881-2011

Mata Sundri College for Women
(University of Delhi)
Mata Sundri Lane, New Delhi-110002

Ph: 23237291

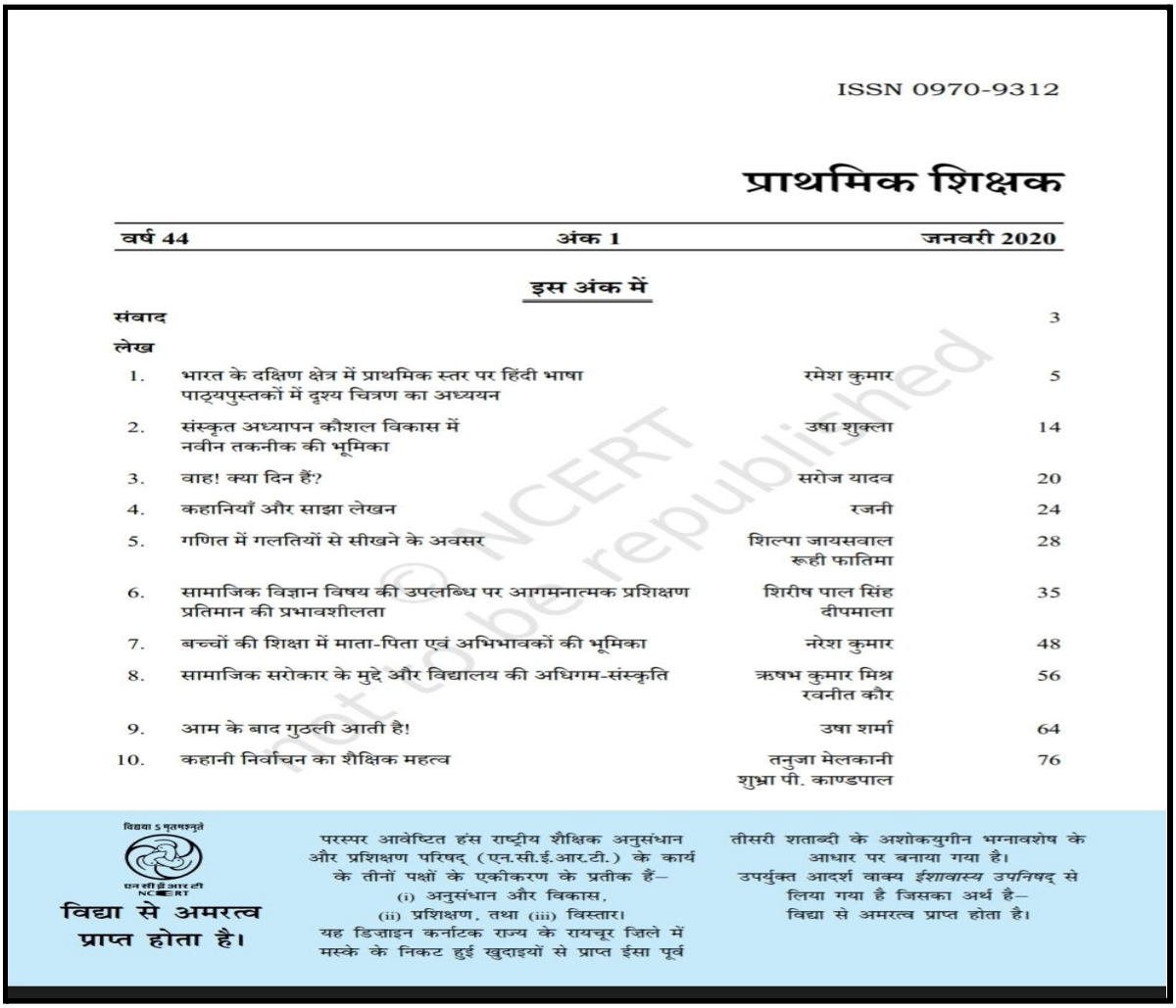

ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 44 | अंक 1 | जनवरी 2020

इस अंक में

संवाद			3
लेख			
1.	भारत के दक्षिण क्षेत्र में प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा पाठ्यपुस्तकों में दृश्य चित्रण का अध्ययन	रमेश कुमार	5
2.	संस्कृत अध्यापन कौशल विकास में नवीन तकनीक की भूमिका	उषा शुक्ला	14
3.	वाह! क्या दिन हैं?	सरोज यादव	20
4.	कहानियाँ और साझा लेखन	रजनी	24
5.	गणित में गलतियों से सीखने के अवसर	शिल्पा जायसवाल, रूही फातिमा	28
6.	सामाजिक विज्ञान विषय की उपलब्धि पर आगमनात्मक प्रशिक्षण प्रतिमान की प्रभावशीलता	शिरीष पाल सिंह, दीपमाला	35
7.	बच्चों की शिक्षा में माता-पिता एवं अभिभावकों की भूमिका	नरेश कुमार	48
8.	सामाजिक सरोकार के मुद्दे और विद्यालय की अधिगम-संस्कृति	ऋषभ कुमार मिश्र, रवनीत कौर	56
9.	आम के बाद गुठली आती है!	उषा शर्मा	64
10.	कहानी निर्वाचन का शैक्षिक महत्व	तनुजा मेलकानी, शुभ्रा पी. काण्डपाल	76

© NCERT not to be republished

विद्ययाऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं— (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार। यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है। उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है— विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

Image 2: Name of the Principal Investigator/Co-investigator- Dr. Ravneet Kaur **and Name of the Project/Endowments, Chairs- Modern India:** Exploring the Culture of Learning based on Nai Talim:A case study of Anand Niketan School and **Name of the Funding Agency-** NCERT

Mata Sundri College for Women
(University of Delhi)
Mata Sundri Lane, New Delhi-110002

Ph: 23237291

8

सामाजिक सरोकार के मुद्दे और विद्यालय की अधिगम-संस्कृति

ऋषभ कुमार मिश्र*
रवनीत कौर **

यह लेख नई तालीम के सिद्धांत पर संचालित आनंद निकेतन विद्यालय के वृत्त अध्ययन पर आधारित है। इस पर विद्यालय में सामुदायिक-स्थानीय समस्याओं को विद्यालयी पाठ्यचर्या का अंग बनाया जाता है। इस दौरान विद्यार्थियों और शिक्षकों को प्रत्यक्ष भागीदारी द्वारा वास्तविकता समस्याओं को समझने का अवसर दिया जाता है। स्कूल, शिक्षक, विद्यार्थी और समुदाय के लोग सीखने की प्रक्रिया में शामिल रहते हैं। यह लेख विवेचना करता है कि ये संलग्नाताएं कैसे विद्यार्थियों को विषय ज्ञान देने के साथ-साथ बदलाव का कर्ता बनाती हैं? कैसे उन्हें विकल्पों को खोजने और हस्तक्षेपों को धरातल पर उतारने का साहस देती हैं?

अकसर सुझाया जाता है कि सामुदायिक-स्थानीय समस्याओं को विद्यालयी पाठ्यचर्या का अंग बनाना चाहिए लेकिन इस तरह के बहुत कम प्रयोग देखने को मिलते हैं। कक्षा में हमारा ज़ोर विषय ज्ञान को बताने पर या कुछ गतिविधियों के माध्यम से संकल्पना की जटिलता को सरल करके प्रस्तुत करना होता है। यदि उदाहरण के तौर पर, सामुदायिक स्थानीय समस्याओं का ज़िक्र भी होता है तो उसे विषयज्ञान अनुप्रयोग के स्तर तक सीमित रखा जाता है। इस संदर्भ में हमारी शिक्षणशास्त्रीय मान्यता होती है कि जब विद्यार्थी सूचनाओं को जानते हैं तो वे समस्या 'समझने' लगते हैं। जब उन्हें समस्या समझ में आ जाती है तो विद्यार्थी जागरूक भी हो जाते हैं। विद्यार्थियों की जागरूकता उन्हें समस्या के समाधान के लिए अभिप्रेरित करती है। 'पर्यावरण प्रदूषण' 'जल संकट का निवारण' जैसे विषयों पर बच्चे रचनात्मक निबंध तो लिख लेते हैं लेकिन अपने आसपास और रोज़मर्रा के जीवन में खुद की भूमिका के प्रति सचेत हों ऐसा आवश्यक नहीं है। तो क्या करें? इसका एक उपाय 'आनंद निकेतन'[1] विद्यालय द्वारा किए जा रहे प्रयोगों में देखने को मिलता है। इन प्रयोगों की सैद्धांतिक जड़ें निर्माणवाद-आधारित खोज विधि, आलोचनात्मक

* *असिस्टेंट प्रोफ़ेसर*, स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र
** *असिस्टेंट प्रोफ़ेसर*, माता सुंदरी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली
[1]वर्धा ज़िले के सेवाग्राम परिसर में स्थित विद्यालय जो नई तालीम के सिद्धांतों पर संचालित है। यहाँ आसपास के गाँवों के करीब 300 विद्यार्थी पढ़ने आते हैं।
नोट– यह कार्य रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा अनुदानित शोध परियोजना के अंतर्गत पूर्ण किया गया है।

© NCERT not to be republished

Image 3: Name of the Principal Investigator/Co-investigator- Dr. Ravneet Kaur **and Name of the Project/Endowments, Chairs- Modern India:** Exploring the Culture of Learning based on Nai Talim:A case study of Anand Niketan School, **Name of the Funding Agency-** NCERT

Mata Sundri College for Women
(University of Delhi)
Mata Sundri Lane, New Delhi-110002

Ph: 23237291

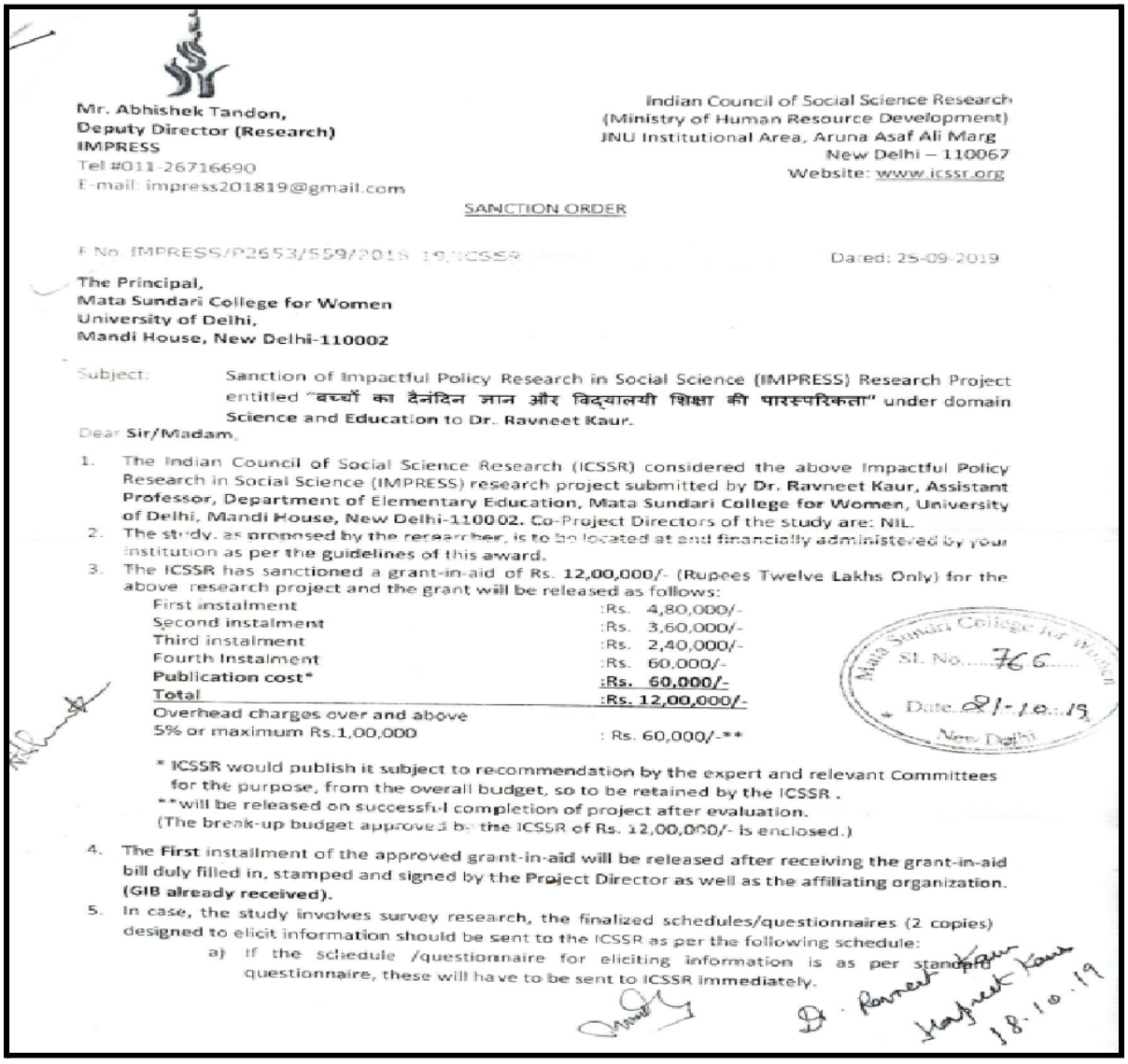

Mr. Abhishek Tandon,
Deputy Director (Research)
IMPRESS
Tel #011-26716690
E-mail: impress201819@gmail.com

Indian Council of Social Science Research
(Ministry of Human Resource Development)
JNU Institutional Area, Aruna Asaf Ali Marg
New Delhi – 110067
Website: www.icssr.org

SANCTION ORDER

F.No. IMPRESS/P2653/559/2018-19/ICSSR Dated: 25-09-2019

The Principal,
Mata Sundari College for Women
University of Delhi,
Mandi House, New Delhi-110002

Subject: Sanction of Impactful Policy Research in Social Science (IMPRESS) Research Project entitled "बच्चों का दैनंदिन ज्ञान और विद्यालयी शिक्षा की पारस्परिकता" under domain Science and Education to Dr. Ravneet Kaur.

Dear Sir/Madam,

1. The Indian Council of Social Science Research (ICSSR) considered the above Impactful Policy Research in Social Science (IMPRESS) research project submitted by Dr. Ravneet Kaur, Assistant Professor, Department of Elementary Education, Mata Sundari College for Women, University of Delhi, Mandi House, New Delhi-110002. Co-Project Directors of the study are: NIL.
2. The study, as proposed by the researcher, is to be located at and financially administered by your institution as per the guidelines of this award.
3. The ICSSR has sanctioned a grant-in-aid of Rs. 12,00,000/- (Rupees Twelve Lakhs Only) for the above research project and the grant will be released as follows:

First instalment	:Rs. 4,80,000/-
Second instalment	:Rs. 3,60,000/-
Third instalment	:Rs. 2,40,000/-
Fourth Instalment	:Rs. 60,000/-
Publication cost*	**:Rs. 60,000/-**
Total	:Rs. 12,00,000/-
Overhead charges over and above 5% or maximum Rs.1,00,000	: Rs. 60,000/-**

Mata Sundri College for Women Sl. No. 766 Date 21-10-19 New Delhi

* ICSSR would publish it subject to recommendation by the expert and relevant Committees for the purpose, from the overall budget, so to be retained by the ICSSR.
**will be released on successful completion of project after evaluation.
(The break-up budget approved by the ICSSR of Rs. 12,00,000/- is enclosed.)

4. The First installment of the approved grant-in-aid will be released after receiving the grant-in-aid bill duly filled in, stamped and signed by the Project Director as well as the affiliating organization. (GIB already received).
5. In case, the study involves survey research, the finalized schedules/questionnaires (2 copies) designed to elicit information should be sent to the ICSSR as per the following schedule:
   a) If the schedule /questionnaire for eliciting information is as per standard questionnaire, these will have to be sent to ICSSR immediately.

D. Ravneet Kaur 18.10.19

Image 4: Name of the Principal Investigator/Co-investigator- Dr. Ravneet Kaur **and Name of the Project/Endowments, Chairs- Modern India:** बच्चों का दैनंदिन ज्ञान और विद्यालयी शिक्षा की पारस्परिकता and **Name of the Funding Agency-** ICSSR

Mata Sundri College for Women
(University of Delhi)
Mata Sundri Lane, New Delhi-110002

Ph: 23237291

Dr. Abhishek Tandon
Deputy Director (Research)
IMPRESS
☎26741840
E-mail: impress201819@gmail.com

Indian Council of Social Science Research
(Ministry of Human Resource Development)
Aruna Asaf Ali Marg, New Delhi – 110067
PABX: 26741849-51 Fax: 91-11-26741936
E-mail: info@icssr.org **Website:** www.icssr.org

File No. IMPRESS/P2653 /2018-19/ICSSR Dated: 8th July, 2019

Subject: Award Letter of IMPRESS Project

Dear Dr. Ravneet Kaur,

Please refer to your project grant under the IMPRESS Scheme:
Title: बच्चों का दैनंदिन ज्ञान और विद्यालयी शिक्षा की पारस्परिकता
Budget Approved: Rs.1200000 /- plus overhead charges @5% or maximum of Rs. 100,00/- whichever is less for the study including publication.
First Instalment: 40% of the awarded grant, detailed Budget in break-up will be sent along with the sanction order.

The above has been approved by the Competent Authority on the recommendations of the Steering Committee.

You are requested to commence the study immediately. You are required to give an undertaking on a non-judicial stamp paper of Rs. 100/- (copy enclosed), and send us the grant-in-aid bill (copy enclosed) of 40% of the awarded grant. All Payments and Transfers are to be done through EAT module hence the institution has to open a dedicated account for all IMPRESS Receipts (Projects and Seminars)

You are once again required to go through the eligibility criteria in the guidelines and make sure you fulfil them in all respect both in case of individual and institution. In case you have awarded a project under IMPRESS and sanction letter for the same has been issued you are requested to continue with earlier sanction and inform accordingly. This award in that case will not stand operational. In case you have already been awarded a project and sanction letter has not been issued you may make an option between the two awards and inform us clearly which project you would like to start. If there is any change in terms of original proposal you need to clarify and take approval from ICSSR in the beginning itself.

Kindly send us all the desired documents **(attached herewith)** to the undersigned within **seven days** to enable us to issue the formal sanction order as per the checklist enclosed.

With best regards,

Yours sincerely,

(Abhishek Tandon)

Dr. Ravneet Kaur
Assistant Professor
Dept. of Elementary Education
Mata Sundri College for Women
University of Delhi
Mandi House New Delhi-110002

Image 5: Name of the Principal Investigator/Co-investigator- Dr. Ravneet Kaur **and Name of the Project/Endowments, Chairs- Modern India:** बच्चों का दैनंदिन ज्ञान और विद्यालयी शिक्षा की पारस्परिकता and **Name of the Funding Agency-** ICSSR